BELIEVERS EASTERN CHURCH
World Church Headquarters, St Thomas Community
Thiruvalla - 689 103, Kerala, India

चरवाहे का पत्र

मई–जून 2026

मेरे प्रिय चरवाहों और पवित्र कलीसिया के सभी विश्वासियों को जो संसार भर में फैले हुए हैं,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह की ओर से आप सबको अनुग्रह, दया और शांति मिले!

मसीह जी उठे हैं!

हम हमारी कलीसिया के लिटर्जिकल कैलेंडर के अनुसार हमारे प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान काल में हैं। यद्यपि हमारे आसपास की दुनिया अशांति और अनिश्चितता का अनुभव कर रही है, हमें हमारे उद्धारकर्ता के पुनरुत्थान की अटल आशा और आनंद में जीवन जीने के लिए बुलाया गया है। क्योंकि हम सब मिलकर यह कह सकते हैं: मसीह जी उठे हैं, और क्योंकि वह जीवित हैं, मैं आनेवाले कल का सामना कर सकता हूँ। इसी साहस और हिम्मत के साथ, पुनर्जीवित मसीह ने अपने चेलों को भेजा—ताकि वे ईस्टर की खुशी और हमारे प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की आशा को संसार के सामने प्रकट करें। और जैसा कि यीशु ने वादा किया था, पवित्र आत्मा उनके शिष्यों पर उतरा, और उन्हें परमेश्वर के प्रेम का प्रतिबिंब बनने के लिए सामर्थ्य प्रदान की।

और प्रेरितों ने जो 'भेजे गए' दूर-दूर तक — यहाँ तक कि पृथ्वी के छोर तक जाकर सुसमाचार का प्रचार किया। उन बारह प्रेरितों का सम्मान करने के लिए, जिन्होंने पवित्र आत्मा से सामर्थ पाकर सारे संसार में मसीह की गवाही दी, कलीसिया ने एक पवित्र उपवास काल निर्धारित किया है, जिसे 'प्रेरितों का उपवास' कहा जाता है।

यह उपवास कैसे आरंभ हुआ? प्रेरितों के काम 1: 4 में हम देखते हैं कि प्रभु यीशु ने प्रेरितों से कहा था कि वे पहले पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा करें, तब जाकर महान आज्ञा को पूरा करने के लिए निकलें। कलीसिया की पवित्र परंपरा हमें बताती है कि इसके बाद प्रेरितों ने एक उपवास आरंभ किया, जिसमें वे परमेश्वर से प्रार्थना करते रहे कि उनके प्रचार कार्य के लिए उन्हें सामर्थ प्रदान करे। और वे इस उपवास में तब तक बने रहे, जब तक कि पिन्तेकुस्त के दिन वे पवित्र आत्मा से परिपूर्ण न हो गए।

तब से ही कलीसिया इस उपवास काल का पालन करती आ रही है, जिसे सामान्य रूप से 'प्रेरितों का

उपवास' कहा जाता है। प्रेरितों का उपवास हर वर्ष 16 जून से प्रारंभ होता है और 13 दिनों तक, अर्थात 28 जून तक चलता है। इसके बाद हम दो पर्व मनाते हैं — 29 जून को संत पतरस और संत पौलुस का पर्व, और 30 जून को प्रेरितों का पर्व।

हम इस उपवास का पालन कैसे करें? कलीसिया के सभी उपवास कालों की तरह, प्रेरितों का उपवास भी हमें प्रार्थना, उपवास और दान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बुलाता है, ताकि हम परमेश्वर-केंद्रित और विश्वासयोग्य जीवन जी सकें। परन्तु यह उपवास कलीसिया के अन्य उपवासों से अलग है, क्योंकि यह हमें प्रेरितों के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए बुलाता है। इसी कारण मैं आप सबको, मेरे प्रिय बच्चों, प्रोत्साहित करता हूँ कि इस पवित्र समय को अलग रखें और प्रेरितों के काम की पूरी पुस्तक पढ़ें। जैसा कि हमारे प्रिय धन्य स्मृति मेट्रोपोलिटन अथनेसियस योहान प्रथम कहा करते थे, 'प्रेरितों के काम की पुस्तक' पवित्र कलीसिया का नक्शा (ब्लूप्रिंट) है, और यह हमें प्रेरितों की सेवा को समझने और सुसमाचार को बांटने के उनके अटल समर्पण पर मनन करने का मुख्य स्रोत है। इस जानबूझकर किए गए अभ्यास के द्वारा, हम प्रेरितों के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करते हैं, और प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि वह हमें सामर्थ और शक्ति दे, ताकि हम भी सुसमाचार के संदेश को सब लोगों तक पहुँचाने का कार्य जारी रख सकें।

प्रेरितों के उपवास को पालन करने के तीन व्यावहारिक तरीके

सेवा करें: प्रेरितों का उपवास हमें हर वर्ष पवित्र प्रेरितों के जीवन और उनके उदाहरण पर मनन करने का अवसर देता है। परन्तु केवल उन्हें याद करना ही उन्हें सम्मान देने के लिए पर्याप्त नहीं है। हमें उनके द्वारा आरंभ किए गए कार्य को आगे बढ़ाकर ही उनकी स्मृति का सम्मान करना चाहिए। यह कार्य हमें—जो उनके अनुयायी और आत्मिक वंशज हैं — सौंपा गया है कि हम पुनर्जीवित मसीह की आशा और आनंद को अपने आसपास के लोगों के साथ बाँटें। इसलिए, इस पवित्र समय में, आइए हम विशेष रूप से अपने सभी पैरिश और डॉयोसिस में दया और करुणा की सेवाओं को जारी रखें और बढ़ाएँ।

प्रार्थना करें: जैसा कि संत पौलुस हमें इफिसियों 6:19-20 में स्मरण कराते हैं, हमें अपने याजकों और मिशनरियों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए कि वे अपने जीवन को फिर से समर्पित करें, और विभिन्न कठिनाइयों के बीच भी सुसमाचार के कार्य को जारी रखने के लिए उत्साहित और सामर्थ्यवान बनें। आइए हम यह भी प्रार्थना करें कि हमारे कई बच्चे और युवा अपने जीवन को पवित्र कलीसिया की सेवा के लिए समर्पित करें। स्मरण रखें, पवित्र कलीसिया मसीह का शरीर है—इस संसार में प्रभु यीशु की सच्ची आयाम।

दान दें: हमारे दशमांश और भेंटों के अलावा, हमें अपने आर्थिक साधनों के द्वारा मिशन कार्य का समर्थन करने के लिए भी बुलाया गया है। जैसा कि संत पौलुस फिलिप्पियों 4:18 में कहते हैं, ये भेंटें 'ऐसे स्वीकार्य बलिदान हैं जो परमेश्वर को प्रिय लगते हैं।' इसलिए, प्रेरितों का उपवास हमारे लिए एक उत्तम अवसर है कि हम उपवास के द्वारा कुछ प्रकार के भोजन से बचाकर जो धन बचाते हैं, उसे अलग रखें, ताकि उसे हमारी कलीसिया की सेवाओं और कार्यों के समर्थन में दिया जा सके।

मेरे प्रिय बच्चों, जैसे हमेशा, इन पवित्र दिनों में मैं आप में से प्रत्येक को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण करता हूँ। आइए हम प्रेरितों के उदाहरण का अनुसरण करने और यीशु मसीह के सुसमाचार द्वारा हमें दी गई आनंद और आशा को अपने परिवारों, अपने समुदायों और यहाँ तक कि पृथ्वी के छोर तक प्रकट करने के लिए अपने समर्पण को नया करें। यदि हमारा उपवास केवल प्रार्थना और भोजन से परहेज तक ही सीमित रह जाता है, तो हम प्रेरितों के उपवास के उद्देश्य को खो देते हैं। प्रभु हमें अनुग्रह प्रदान करे कि हम वचन और कर्म दोनों में प्रेरितों का अनुसरण करके उनका सम्मान कर सकें। हमारा प्रभु परमेश्वर आपको अपनी इच्छा को पहचानने की बुद्धि, उसकी आज्ञाओं का पालन करने की शक्ति, और उसकी दया को प्रकट करने का प्रेम प्रदान करे।

पवित्र त्रिएक परमेश्वर — पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा — आपको उसकी इच्छा को समझने की बुद्धि, उसकी आज्ञाओं का पालन करने की सामर्थ, और उसकी दया को प्रतिबिंबित करने का प्रेम प्रदान करें। और सभी संतों तथा पवित्र थिओटोकोस के मध्यस्थताएं परमेश्वर के सिंहासन के सम्मुख हमारे लिए सुरक्षा हो, अब और सदा सर्वदा। ✠ आमीन।

पितृत्वपूर्ण प्रेम और प्रार्थनाओं के साथ,

मसीह में आपका पिता

मोरान मोर सैमुअल थियोफिलस
मेट्रोपॉलिटन

तिथि : 5 मई 2026
स्थान : विश्व चर्च मुख्यालय

निर्देश: कृपया यह सुनिश्चित करें कि यह सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित है और विश्वासियों के प्रोत्साहन के लिए सभी स्थानीय कलीसियाओं में पढ़ा जाए।